जो बीत गई सो बात गई

कवि – हरिवंशराय बच्चन

कवि का परिचय –

कविता लिखने की पार्श्वभूमि –

कविता वाचन और प्रस्तावना -

रोहिदास डी. गवारे
अ.र.भा.गरुड महाविध्यालय

कविता का उद्देश्य

* प्रस्तुत कविता मे बीती बातो पर हमे कभी भी शोक नही करना चाहिए यह संदेश दिया है ।

* मनुष्य को प्रकृति से सीख लेनी चाहिए ।

* प्रकृति बीती बातो पर कभी शोक नही मनाती ।

प्रकृति के उदाहरन

- **अंबर का आनन** - आकाश से उसके कितने तारे टूटते है पर कभी शोक नही मनाता ।
- **मधुवन के फूल**, **कलियाँ** – मधुवन में कितने फूल और कलियाँ होती है वह मुरझा जाते है लेकिन कभी सुखे फूलो पर मधुवन शोक नही मनाता ।
- **मदिरालय और मधु के प्याले** – मदिरालय में कितने मधुघट और प्याले टूटते है ? पर मदिरालय कभी शोक नही मनाता । मिट्टी के बने होने के कारण वह टूटने ही वाले है यह उसे पता है ।

निष्कर्ष

- मनुष्य का जीवन सुख दुख से भरा हुआ है ।दुख के बाद सुख आनेवाला ही है, इसलिए हमेशा बीती बातो पर शोक करना व्यर्थ है। आनेवाले कल के बारे में सोचना चाहिए ।
- जितने भी महापुरुष,संत एवं महात्मा हुए है उनके जीवन में उन्होने दुख झेलकर और भूलकर नया निर्माण किया है ।